CASE-STUDY OF UPGRADED MIDDLE SCHOOL, DAULACHAK GIRIYAK, NALANDA

परिचयः–

रा''टोय राजमार्ग 20 पर नालन्दा जिला के मुख्यालय बिहारशरीफ से उत्तर की दिशा में 14 कि0मी0 की दूरी पर भगवान महावीर के निर्वाण स्थली पावापुरी के निकट उत्क्रमित मध्य विद्यालय दौलाचक, प्रखंड– गिरियक अवस्थित है। सन् 1950 ई0 में यह विद्यालय प्राथमिक विद्यालय के रूप में आस्तित्व में आया एवं व''ा 2009 में जिला पदाधिकारी–सह–अध्यक्ष ,जिला कार्यकारिणी समिति, सर्व शिक्षा अभियान द्वारा दिनांक 12.09.2009 को इस विद्यालय को मध्य विद्यालय के रूप में उत्क्रमित किया गया। यह विद्यालय पूर्णतः ग्रामीण क्षेत्र में अवस्थित है। वर्त्तमान में विद्यालय में 326 छात्र/छात्राएं नामांकित हैं एवं कार्यरत शिक्षक/शिक्षिकाओं की संख्या 13 है। विद्यालय में नामांकित लगभग सभी छात्र/छात्रा अभिवंचित वर्ग के हैं। विद्यालय के पो''ाक क्षेत्र में मॉझी समुदाय के निवास करने के कारण विद्यालय में समाज के सबसे अधिक अभिवंचित इस समुदाय के करीब 50–60 बच्चे में नामांकित हैं।

विद्यालय के संबंध में:–

मेरी पदस्थापना इस विद्यालय में दिनांक 16.08.2018 को स्नातक शिक्षक के पद पर हुई थी। दुर्भाग्यवश मेरी पदस्थापना के दो दिन पूर्व दिनांक 14.08.2018 को विद्यालय के तत्कालीन प्रभारी प्रधानाध्यापक के आकस्मिक निधन हो जाने के कारण मुझे प्रभारी प्रधानाध्यापक का कार्यभार संभालना पड़ा। अचानक घटित इन घटनाक्रमों के बीच एक अनजान से विरासत को लिए विद्यालय के सफल संचालन करने से संबंधित कई चुनौतियां मेरे समक्ष खड़ी थीं। एक ओर जहॉ बिलकुल नया परिवेश, नए स्थान, नए लोगों के साथ सामंजस्य बिठाने की चुनौती थी तो दूसरी ओर विद्यालय में छात्र/छात्राओं का अपेक्षाकृत कम नामांकन, विद्यालय का 'ौक्षिक व्यवस्था की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त कर अपेक्षित सुधार, शिक्षक/शिक्षिकाओं के आचार–व्यवहार को समझकर उन्हें अपने कार्य एवं दायित्व के प्रति संवेदनशील बनान, विद्यालय शिक्षा समिति का समुचित सहयोग प्राप्त करना तथा स्थानीय ग्रामीण एवं अभिभावकों का विद्यालय के प्रति सकारात्मक सोच उत्पन्न करन के साथ–साथ विद्यालय की आधारभूत संरचना में आमूल–चूल परिवर्त्तन करना प्रमुख थे। इन सब चुनौतियों के बीच एक सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह थी कि विद्यालय में नामांकित छात्र/छात्राओं तथा पदस्थापित शिक्षकों की नियमितता तथा समयबद्धता। विद्यालय आने वाले छात्र–छात्रा मेरे लिए आशा के किरण थे तो समयनि''ठ एवं सहयोगी शिक्षक साथी मेरे मन मस्ति''क में उर्जा का संचार करने वाल कारक। मैंने अपनी इस पूंजी को समेटकर विद्यालय को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने की ठान ली तथा विद्यालय परिवार के सहयोग के सहारे विद्यालय में विद्यमान् चुनौतियों पार पाने की आशा स्वयं में जागृत की ताकि विद्यालय की एक विशि''ट पहचान बन सके तथा इसे एक बेहतर विद्यालय के रूप में परिणत किया जा सके। एक अज्ञात परिणाम की ओर कदम बढाने के लिए सोहनलाल द्विवेदी की रचना "कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती" मेरे मन में रची बसी हुई थी। मेरे स्वभाव में कभी न हार मानने वाली मेरी जिद्द मेरी राह को आसान बनाने वाला था।

बदलाव की ओर उठाए गए कदमः–

1. सर्वप्रथम मेरे द्वारा बाल–संसद एवं मोना मंच के सशक्तिकरण का कार्य किया गया। बाल–संसद एवं मीना मंच के सदस्यों की नियमित बैठक कर इन्हें अपने कर्त्तव्य एवं दायित्व के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाने की दिशा में कदम उठाकर विद्यालय के सफल संचालन एवं विकास हेतु किए जाने वाले कार्यो में इनकी सहभागिता सुनिश्चित की गई। परिणामस्वरूप आज विद्यालय के सफल संचालन में बाल–संसद एवं मीना मंच के सदस्यों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, शिक्षक सुगमकर्त्ता का कार्य किया करते हैं।

2. बाल–संसद, मीना मंच एवं विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्य तथा शिक्षकों की मदद से विद्यालय से छीजित एवं पो"ाक क्षेत्र के अनामांकित बच्चों की पहचान की गई तथा ऐसे बच्चों के घर–घर जा कर उनके अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें विद्यालय की मुख्यधारा में जोड़ने का का सराहनीय प्रयास किया गया। सभी के सामूहिक प्रयास से विगत 'ौक्षणिक सत्र में विद्यालय ने नामांकित छात्र–छात्राओं की अपनी अधिकतम सीमा 435 को छुआ।

3. मीना मंच के माध्यम से मीना मंच की नोडल शिक्षिका के द्वारा बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में कदम उठाए गए।

4. विद्यालय में बाल–संसद, मीना मंच एवं विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों की नियमित बैठक सुनिश्चित की गई। समय–समय पर अभिभावक–शिक्षकों की बैठक।

5. वर्ग नायक एवं वर्ग शिक्षकों तथा सभी शिक्षकों के साथ प्रभारी प्रधानाध्यापक की बैठक की ‘ाुरूआत की गई।

6. विभागीय निदेश के आलोक में विद्यालय में नामांकित छात्र–छात्राओं की न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराए जाने का लक्ष्य।

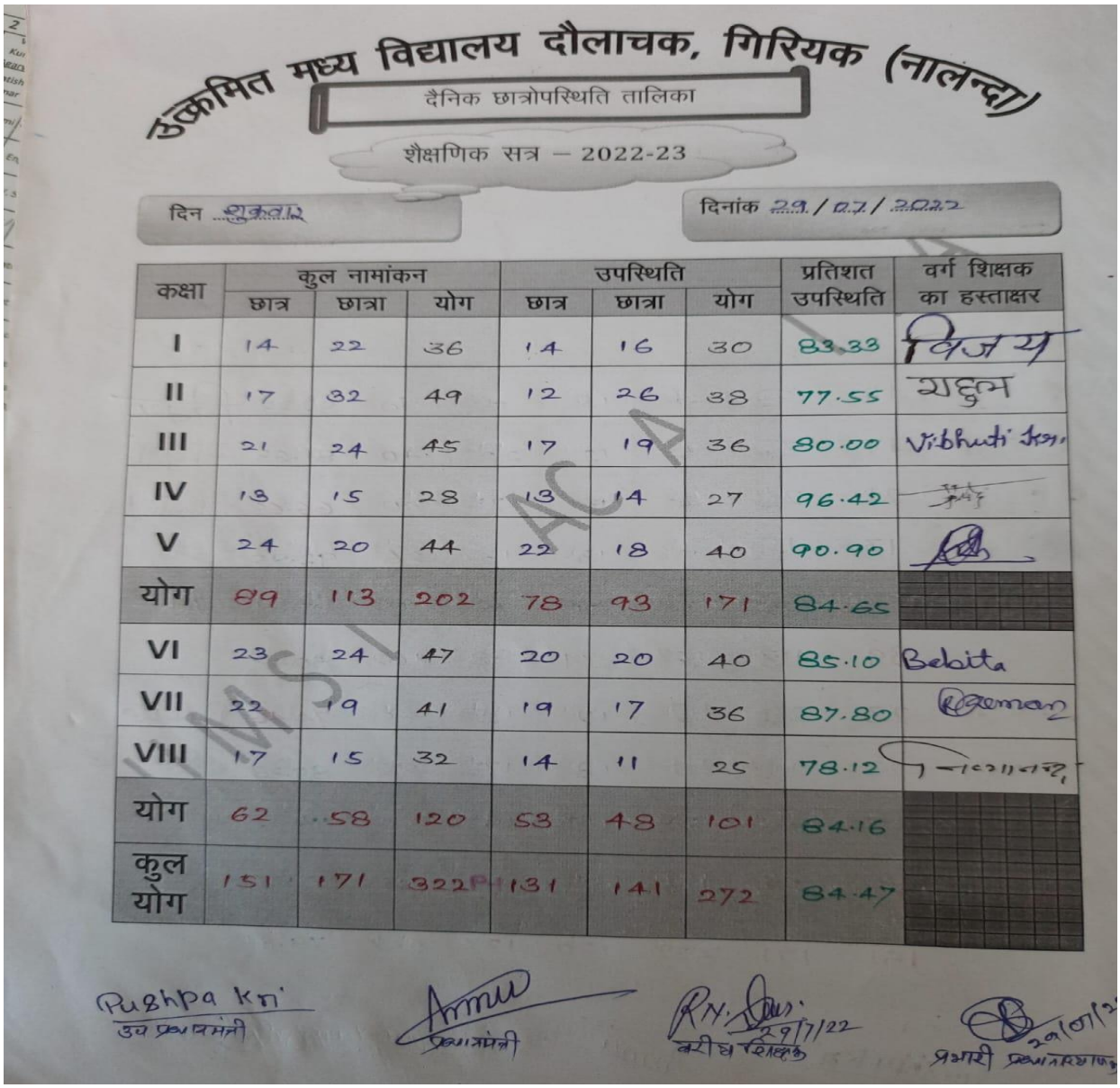

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दौलाचक, गिरियक (नालन्दा)

दैनिक छात्रोपस्थिति तालिका

शैक्षणिक सत्र – 2022-23

दिन शुक्रवार

दिनांक 29/07/2022

कक्षा	कुल नामांकन			उपस्थिति			प्रतिशत उपस्थिति	वर्ग शिक्षक का हस्ताक्षर
	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग		
I	14	22	36	14	16	30	83.33	विजय
II	17	32	49	12	26	38	77.55	[illegible]
III	21	24	45	17	19	36	80.00	Vibhuti [illegible]
IV	13	15	28	13	14	27	96.42	[illegible]
V	24	20	44	22	18	40	90.90	[illegible]
योग	89	113	202	78	93	171	84.65	
VI	23	24	47	20	20	40	85.10	Babita
VII	22	19	41	19	17	36	87.80	[illegible]
VIII	17	15	32	14	11	25	78.12	[illegible]
योग	62	58	120	53	48	101	84.16	
कुल योग	151	171	322	131	141	272	84.47	

Pushpa Kri — उप प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री

R.N. 29/7/22 — वरीय शिक्षक

29/07/2022 — प्रभारी प्रधानाध्यापक

7. नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित करने वाले छात्र–छात्राओं को चेतना–सत्र में बुलाकर उन्हें प्रोत्साहित करने की ‘ाुरूआत।

8. विद्यालय में क्रियाशील पुस्तकालय का निर्माण। बाल–संसद के मंत्रियों की देख–रेख में पुस्तकालय का संचालन एवं रख–रखाव।
9. मासिक एवं त्रैमासिक मूल्यांकन की 'ाुरूआत।
10. विद्यालय में नामांकित छात्र–छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में 'ाामिल कराए जाने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अलग से कक्षा संचालन की 'ाुरूआत।
11. जिला एवं प्रखंड स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रम, समारोह एवं महोत्सव में विद्यालय के छात्र–छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित की गई।
12. स्वयंसेवी संस्था मअपकीलंसवां के द्वारा स्मार्ट क्लास की 'ाुरूआत।

13. शिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्र–छात्राओं को परियोजना कार्य के लिए प्रेरित किया गया। छात्र–छात्राओं को परियोजना कार्य के लिए प्रोत्साहित किए जाने के परिणामस्वरूप व''ार्ा 2019 से व''ार्ा 2022 तक प्रत्येक व''ार्ा आयोजित होने वाले पावापुरी महोत्सव एवं राजगीर महोत्सव में शिक्षा विभाग के स्टॉल पर विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने अपने परियोजना कार्यों का प्रदर्शन किया है।

14. विद्यालय में विभिन्न प्रकार के टी0एल0एम0 के निर्माण एवं उसके उपयोग को बढ़ावा। जैसे विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा डस्टबीन का निर्माण, ज्यामितीय आकृतियों का निर्माण, गुलदस्ता का निर्माण इत्यादि।

15. जिला शिक्षा पदाधिकारी,नालंदा से विद्यालय की आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण हेतु अनुरोध कर समग्र शिक्षा अभियान मद से दो अतिरिक्त वर्ग कक्ष तथा आधुनिक सुविधाओं से लैस 'ौचालय का निर्माण।
16. पंचायत समिति, गिरियक (नालंदा) के द्वारा पारित योजनाओं से विद्यालय में चाहरदीवारी एवं संपूर्ण परिसर का पक्कीकरण।
17. विद्यालय का आक''र्क रंग–रोगन।

18. विद्यालय के सभी वर्ग कक्ष में विद्युतीकरण।
19. यूनिसेफ के द्वारा भ्ंदक ैापदह ैजंजपवद के निर्माण के लिए वित्तीय मदद।

20. ‘ाांति सद्भावना मंच नामक स्वयंसेवी संस्था के द्वारा स्मार्ट टी0वी0, इन्वर्टर, यू0पी0एस0 एवं बैटरी प्रदान किया गया।
21. यूनिसेफ के द्वारा बाल मित्र प्रणाली से आच्छादित विद्यालय की सूची में ‘ाामिल।

कुछ अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुः–

मॉझी समुदाय के बच्चों को विद्यालय की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशे”ा अभियानः– जैसा कि मैंने विद्यालय के परिचय में लिखा है कि विद्यालय के पो”ाक क्षेत्र में मॉझी समुदाय के निवास करने के कारण विद्यालय में समाज के इस अभिवंचित वर्ग के करीब 50–60 बच्चे में नामांकित हैं। ध्यातव्य है कि विद्यालय के पो”ाक क्षेत्र में निवास करने वाले इस समुदाय के अधिकांश बच्चे अपने माता–पिता के साथ प्रत्येक व”र्ा माह नवम्बर के आसपास रोजी–रोटी की तलाश में ईट भट्टा पर मजदूरी करने के लिए अन्य राज्यों में पलायन कर जाते हैं। पुनः ऐसे बच्चों की घर वापसी अगले व”र्ा के माह मार्च–अप्रैल तक होती है, इस कारण मॉझी समुदाय के ऐसे बच्चे विद्यालय की मुख्यधारा से कट जाते हैं तथा इनकी पढ़ाई–लिखाई पूर्णरूपेण बाधित हो जाती है। इस विकट और गंभीर समस्या को देखते हुए व”र्ा 2019 में विद्यालय के बाल संसद के सदस्यों तथा शिक्षकों ने एक विशे”ा जागरूकता अभियान चलाकर ऐसे बच्चों की घर वापसी के बाद उनके घर जाकर सभी अभिभावकों से उन्हें विद्यालय भेजने के लिए आग्रह किया। इस जागरूकता अभियान की सफलता ने मॉझी समुदाय के ऐसे 23 बच्चों को विद्यालय की मुख्यधारा में वापसी कराई। विद्यालय की मुख्यधारा में जुड़ने वाले सभी 23 बच्चों को विद्यालय में लाकर नहलाया–धुलाया गया, उन्हें स्वच्छ रहने की सीख दी गई तथा विद्यालय स्तर से उन्हें कॉपी और पेन्सिल प्रदान किया गया था। उस वक्त विद्यालय परिवार द्वारा चलाए गए इस अनूठे अभियान की चर्चा तथा प्रशंसा पूरे जिले में हुई थी तथा बहुत से समाचार पत्रों ने इस अभियान के बारे में प्रमुखता से ख़बर प्रकाशित की थी।

युवा

1980 में चुन दू ह्वान दक्षिण के

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दौलाचक में सभी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा

बच्चों को पहले स्कूल बुलाया फिर स्नान कराकर दिया पाठ

इनसे सीखें

पहल
- मांझी समुदाय के 23 बच्चे नहीं आ रहे थे स्कूल
- इस दौरान स्कूल के बाल संसदों ने भी निभाई अहम

उत्क्रमित मध्य विद्यालय में मंगलवार को 23 बच्चों को स्कूल लाने के बाद स्नान करते बच्चे।

बिहारशरीफ | हिन्दुस्तान संवाददाता

गिरियक प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय दौलाचक ने अन्य स्कूलों के शिक्षकों को नई पाठ पढ़ाई है। मंगलवार को स्कूल के शिक्षकों ने ऐसा काम कर दिखाया है, जिससे अन्य को भी प्रेरणा लेने की जरूरत है। स्कूल के प्रभारी एचएम शिशिर कुमार सिन्हा ने बताया कि स्कूल के बाल संसदों के साथ एक टीम बनाई। उनके जिम्मे यह काम दिया गया कि जो नामांकित बच्चे स्कूल खुलने के बाद भी नहीं आ रहे हैं, उन्हें हर हाल में स्कूल में वापस लाया जाए। उसमें खासकर मांझी परिवार के बच्चों को लाने की योजना बनाई गई।

इस टीम में स्कूल के नौ शिक्षकों के अलावा बाल सांसद के प्रधानमंत्री शिवम कुमार, उप प्रधानमंत्री ब्यूटी कुमारी, शिक्षा मंत्री नंदलाल कुमार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री संटू कुमार, पुस्तकालय एवं विज्ञान मंत्री अंजनी कुमार, संस्कृति एवं खेल मंत्री मनीष कुमार, जल व कृषि मंत्री सागर कुमार ने इस काम में अहम भूमिका निभाई। इस कारण लॉकडाउन के बाद स्कूल नहीं आने वाले मांझी परिवार के 23 बच्चों को मंगलवार को स्कूल लाया गया। उसके बाद कोरोना संक्रमण व स्वच्छता के मद्देनजर सभी बच्चों को स्कूल में नहाने का इंतजाम कराया गया। स्नान कर लेने के बाद उन्हें क्लास में बैठाकर अन्य बच्चों के साथ ही शिक्षा दी गई।

शिक्षकों ने बताया कि बच्चों को स्कूल लाने व शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मांझी परिवारों के घर-घर जाकर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए जागरूक किया गया। उसके बाद जो बच्चे जहां भी किस काम या खेल में लगे थे, उन्हें वहां से बुलाकर स्कूल लाया गया। उसके बाद सभी छात्रों के विद्यालय में आने के बाद उन्हें स्वच्छ रहने, मास्क का उपयोग ... धुलाई करने व सम्पूर्ण शरीर का स्वच्छ रखने के महत्व को समझाते हुए सभी छात्रों को विद्यालय में ही नहलाया-धुलाया गया।

इसके साथ ही उन्हें प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित व उत्साहित किया गया। इस काम में स्कूल के शिक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, नित्यानंद, रघुनंदन दास, बबीता कुमारी, राहत आजमी, सतीश कुमार, विजय कुमार अग्रवाल, राजकुमार व अन्य शिक्षकों का योगदान रहा।

शेखपुरा/नालंदा प्रभात

बच्चों को नहला-धुलाकर स्वच्छता का दिया संदेश

- मांझी समुदाय के 23 बच्चों को विद्यालय लाने में सफल

बिहारशरीफ. काम के प्रति लगन तथा दृढ़ इच्छाशक्ति से कठिन से कठिन कार्य पूरा किया जा सकता है. इस उक्ति को गिरियक प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय दौलाचक के प्रधानाध्यापक शिशिर कुमार सिन्हा तथा शिक्षकों के साथ विद्यालय के बाल संसद के सदस्यों ने पूरा कर दिखाया है. सभी ने मिलकर गांव के मांझी समुदाय के 23 बच्चों को विद्यालय में पढ़ने के लिए लाने में सफल हुए हैं. इनमें से अधिकांश बच्चे पूर्व में विद्यालय में नामांकन तो कराये थे, लेकिन लॉकडाउन के बाद से विद्यालय आना नहीं चाह रहे थे. वे मैले कुचैले कपड़ों में गांव की गलियों में दिनभर घूम कर अपना समय बर्बाद कर रहे थे. जब विद्यालय के एचएम की इन पर नजर पड़ी तो उन्होंने शिक्षकों व बाल संसद के सदस्यों के सहयोग से सभी बच्चों को विद्यालय में लाकर सर्वप्रथम उन्हें स्नान कराया तथा उनके गंदे कपड़ों को साफ करवाया. बच्चों को विद्यालय के विभिन्न वर्गों में शामिल कर उन्होंने बच्चों को नियमित विद्यालय में उपस्थित होने के लिए भी प्रेरित किया. अब बच्चे भी नियमित रूप से विद्यालय आकर पठन-पाठन करने का संकल्प ले चुके हैं. शिक्षकों ने बच्चों को शारीरिक स्वच्छता तथा हाथ धुलाई, मास्क का प्रयोग करने आदि की भी जानकारी दी. उत्क्रमित मध्य विद्यालय के शिक्षकों ने मांझी समुदाय के बच्चों को विद्यालय लाकर सराहनीय कार्य किया है. उनका यह कार्य अन्य सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है. जिले के अधिकांश विद्यालयों में जहां प्रधानाध्यापक तथा शिक्षक गांव की गलियों में मैले कुचैले बच्चों को उछल कूद करते देख कर नाक पर रुमाल रखकर आगे बढ़ जाते हैं. वहीं इस विद्यालय के प्रधानाध्यापक तथा शिक्षकों ने बच्चों को विद्यालय लाने के लिए अथक प्रयास किया. ग्रामीणों द्वारा शिक्षकों के इस प्रयास की काफी सराहना की जा रही है. गांव के बुजुर्ग 1970-80 के दशक को याद कर बताते हैं कि उन दिनों भी शिक्षक बच्चों को घर से पकड़ कर भी पढ़ने के लिए ले जाते थे. ऐसे जबरदस्ती पढ़ाए गए बच्चों में से ही बड़ी संख्या में बच्चे आज अधिकारी तथा कर्मचारी के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं.

समुदाय से प्राप्त सहयोगः– मेरे विद्यालय में योगदान के उपरान्त एक व”ा के अन्दर में ही पंचायत समिति, प्रखंड–गिरियक क सक्रिय सहयोग से चहारदीवारी का निर्माण तथा विद्यालय के संपूर्ण परिसर के फर्श का पक्कीकरण कराया गया परन्तु विद्यालय में मुख्य द्वार(फाटक) नहीं था। विद्यालय के बेहतर संचालन और सुदृढ़ होत 'ाक्षिक वातावरण से प्रभावित हो कर गॉव के निवासी तथा मुम्बई में कार्यरत अभियन्ता ई0 कुमार कुणाल ने रू0 26000/– की वित्तीय सहायता प्रदान कर अपनी देख–रेख में लोहे का मुख्य द्वार(फाटक) लगवा दिया है।

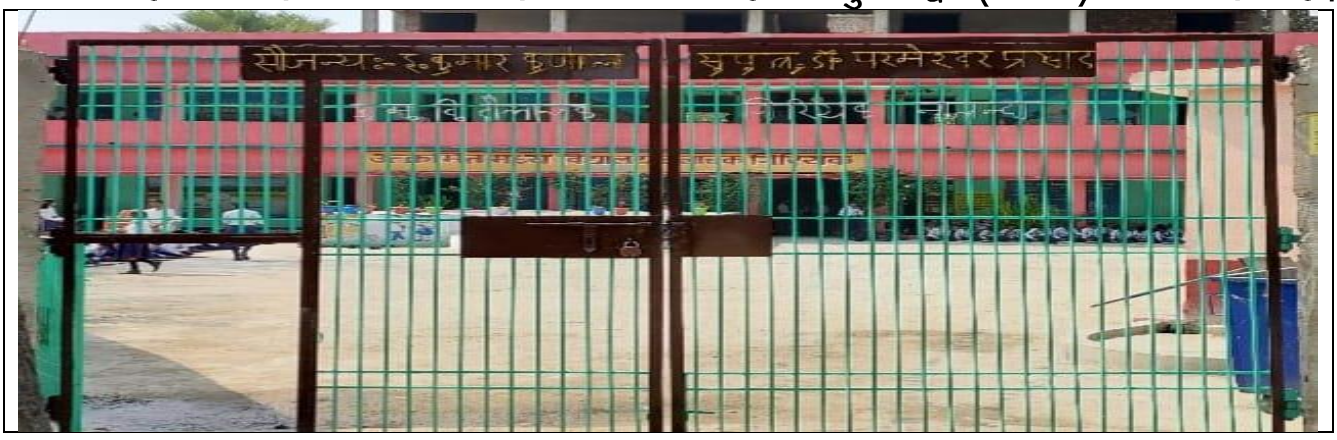

प्रत्येक व”ा निजी विद्यालयों से नाम कटवा कर विद्यालय में होने वाला नामांकन :– विद्यालय में लगातार सुदृढ़ हो रहे 'ौक्षणिक वातावरण, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं तथा जिला एवं प्रखंड स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विद्यालय के छात्र–छात्राओं को मिल रही

सफलता के साथ–साथ छात्र–छात्राओं के साथ मित्रवत व्यवहार जैसे सकारात्मक पहलू ने विद्यालय के पो"ाक क्षेत्र और उसके बाहर भी अपनी एक विशि"ट पहचान कायम की है। फलतः प्रत्येक व"र्ा निजी विद्यालयों से नाम कटवा कर बहुत सारे बच्चे विद्यालय में नामांकित हो रहे हैं।

नामांकन अभियानः– बाल–संसद, मीना मंच, विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों तथा शिक्षकों के द्वारा प्रत्येक व"र्ा 'ौक्षणिक सत्र के 'ाुरूआत में विद्यालय के पो"ाक क्षेत्र में नामांकन अभियान चलाया जाता है।

सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर विद्यालय की भूमिकाः– बिहार सरकार/शिक्षा विभाग द्वारा चलाए गए सभी तरह के जन–जागरण अभियान में विद्यालय परिवार की सक्रिय एवं प्रभावशाली सहभागिता रहती है। पर्यावरण संरक्षण के लिए मिशन हरियाली, नूरसराय नामक स्वयं सेवी संस्थान से सहयोग प्राप्त कर वृक्षारोपन का कार्य हो, जल संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान का कार्य हो, दहेज प्रथा के उन्मूलन एवं 'ाराबबंदी के लिए अब तक बनाए बए सभी मानव श्रृंखला का निर्माण हो, सामाजिक सरोकार के इस तरह के सभी मुद्दों पर समाज में बदलाव लाने की दिशा में विद्यालय परिवार अपनी भूमिका अदा कर रहा है।

नवाचारः—

1.बाल मेला का आयोजनः—मेरी पदस्थापना के उपरान्त विद्यालय में प्रत्येक व"र्ा बाल मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के लिए निर्धारित तिथि को सभी वर्ग से बच्चे अपना अपना समूह बनाकर विभिन्न प्रकार के व्यजनों के स्टॉल लगाते हैं। समूहवार लगाए गए व्यजनों के स्टॉल से विद्यालय के अन्य सभी छात्र/छात्रा, बाहर से निमंत्रित अतिथि एवं अभिभावक व्यजनों के लिए निर्धारित रकम से व्यजनों को खरीदकर उसके स्वाद का आनंद लेते हैं। इस दिन बाल मेला के साथ—साथ परियोजना कार्य/विज्ञान प्रदर्शनी/ज्स्ड की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। पूरे दिन विद्यालय में आनंद, उमंग एवं उत्साह का माहौल रहता है। बाल मेला के आयोजन तथा उस दिन लगाई जाने वाली प्रदर्शनी से छात्र—छात्राओं को जीवन के हर विधाओं में दक्षता हासिल करने एवं आत्मविश्वास के साथ किसी भी कार्य को करने की क्षमता विकसित करने में मदद मिल रही है।

2. उपस्थिति का सितारा:– विद्यालय में नामांकित छात्र–छात्राओं की 'ात–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'ौक्षणिक सत्र के प्रत्येक चार माह के समाप्ति के उपरान्त सभी 'ौक्षिक दिवसों पर विद्यालय में 'ात–प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने वाले छात्र–छात्रा को उपस्थिति का सितारा घो"ात किया जाता है। इसके लिए उन्हें उपस्थिति का सितारा का पहचान पत्र तथा विद्यालय प्रबंधन की ओर से प्रोत्साहन स्वरूप कुछ पुरस्कार प्रदान किया जाता है। वर्त्तमान 'ौक्षणिक सत्र के प्रथम चार माह अप्रैल, मई, जून एवं जुलाई तथा उसके बाद के चार माह अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर एवं नवम्बर में क्रमशः 11 एवं 14 छात्र–छात्रा को उपस्थिति का सितारा घो"ात किया जा चुका है। इससे विद्यालय में न्यूनतम 75 प्रतिशत या इससे अधिक छात्रोपस्थिति सुनिश्चित करने में काफी सहायता मिल रही है। साथ ही साथ अपनी 'ात–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के प्रति छात्र–छात्राओं एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी देखी जा रही है।

3. विशे"ा दिवसों पर छात्र–छात्राओं के द्वारा विभिन्न आकृतियों की रचनाः– किसी भी विशे"ा तिथि या दिवसों पर छात्र–छात्राओं के द्वारा विभिन्न आकृतियों की रचना कर उस विशे"ा तिथि या दिवस को महत्वपूर्ण एवं सार्थक बनाने का प्रयास किया जाता है।

4. विद्यालय में बाल संसद एवं मीना मंच के सदस्यों की अलग पहचानः–विद्यालय में बाल संसद एवं मीना मंच के सदस्यों का उनके विशि"ट पहचान हेतु बाल संसद के नाम से टोपी प्रदान की गई है तथा मीना मंच के सदस्यों का अलग गणवेश निर्धारित किया गया है। इसके साथ–साथ बाल संसद एवं मीना मंच के सदस्यों के नाम एवं पदनाम के साथ फोटोयुक्त चार्ट बनवाकर विद्यालय में प्रदर्शित किया जाता है। विद्यालय में बाल संसद के सदस्यों एवं वर्ग नायकों को उनके पदनाम से नेम प्लेट प्रदान किया गया है।

5. बाल संसद की डायरीः– विद्यालय के बाल संसद के सदस्य प्रतिदिन मुख्य समाचार, आज का विचार, चेतना सत्र के संचालन में 'ाामिल छात्र–छात्राओं के नाम तथा छात्र–छात्राओं के जन्म दिन को बाल संसद की डायरी में संकलित करते हैं।

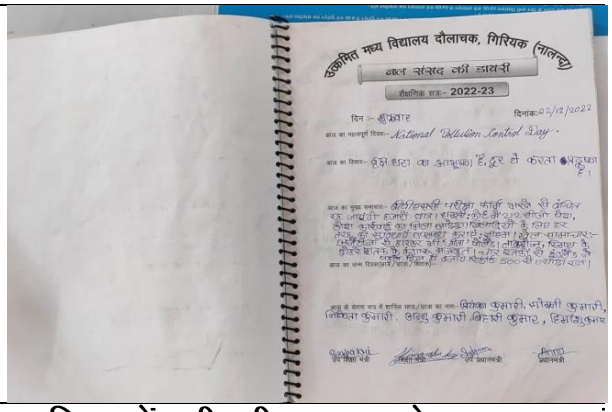

6. स्वच्छता का सितारा:– विद्यालय में प्रतिदिन शिक्षकों की टीम द्वारा चेतना सत्र में विद्यालय में उपस्थित सबसे स्वच्छ छात्र/छात्रा, सबसे स्वच्छ वर्ग कक्ष तथा विद्यालय की स्वच्छता के मापदंड को बनाए रखने में सहयोगी छात्र/छात्रा एवं वर्ग नायकों बुलाकर उन्हें स्वच्छता का सितारा घोि"त कर उन्हें सम्मानित किया जाता है।

7. चेतना सत्रः– चेतना सत्र के संचालन को सशक्त बनाने के लिए आर्यभट्ट, कल्पना चावला, चाणक्य एवं भास्कर नामक समूह बनाया गया है जिसमें सभी वर्ग के बच्चों को 'ाामिल किया गया है। चेतना सत्र को नया आयाम देन के लिए आज का विचार एवं प्रेरक प्रसंग का प्रस्तुतिकरण छात्र–छात्राओं द्वारा किया जाता है, शिक्षक इसमें सहयोगी की भूमिका निभाते हैं। चेतना सत्र में अलग–अलग दिनों को गुरू वंदना,

प्रेरणा गीत, बिहार गीत, बिहार प्रार्थना, अभियान गीत, सामान्य ज्ञान प्रश्नानोत्तरी, समाचार वाचन, संविधान की प्रस्तावना आदि को समाहित किया गया है। चेतना सत्र के संचालन में बाल संसद, मीना मंच एवं अन्य छात्र–छात्राओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रहने के कारण उनमें आत्मविश्वास, अपने कार्य एवं दायित्वों के निर्वहन तथा नेतृत्व करने की क्षमता में लगातार वृद्धि होती जा रही है।

7. शिक्षण अधिगम सामग्री, राखी तथा तिरंगे झंडे का निर्माणः– विद्यालय में शिक्षक–शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन/सहयोग स छात्र–छात्राओं द्वारा विज्ञान, गणित एवं अन्य वि’’ायों से संबंधित शिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण किया जाता है। एक ओर राखी के त्योहार के दिन सभी छात्राओं एवं शिक्षिकाओं के द्वारा अपने सभी भाईयों एवं शिक्षकों के लिए राखी का निर्माण एक परम्परा बन चुकी है तो दूसरी ओर विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा निरंतर डस्टबीन, ज्यामितीय आकृतियों, गुलदस्ता, नव व’’ी तथा शिक्षक दिवस पर ग्रीटिंग्स का निर्माण किया जाता है। उल्लेखनीय है कि इस बार आजादी के अमृतोत्सव के अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के लिए तिरंगे झंडे का निर्माण बाल संसद, मीना मंच तथा शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा किया गया।

8. महापुरू"ाों की जयंतो एवं महत्वपूर्ण त्योहारों का आयोजनः– व"र्ा 2018 के अगस्त माह में मेरी पदस्थापना क उपरान्त विद्यालय में प्रत्येक व"र्ा महापुरू"ाों की जयंती मनाई जाती है। साथ ही गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, दीपावली, होली, रक्षा बंधन जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों/दिवसों को उत्साह एवं उमंग के वातावरण में विशि"ट अंदाज में मनाया जाता है जिससे छात्र–छात्राओं में महापुरू"ाों के जीवन से सीख एवं प्ररणा मिल सके, सामाजिक सद्भाव की भावना जागृत हो सके तथा उनमें नैतिक और बौद्धिक विकास को विकसित करने में सहायता मिल सके।

<u>विद्यालय एवं छात्र–छात्राओं की उल्लेखनीय उपलब्धियांः–</u>

1. विद्यालय को व"र्ा 2018 में राज्य स्तरीय स्वच्छता पुरस्कार का सम्मान।

2. व"र्ा 2018 में पावापुरी महोत्सव में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं की टीम को द्वितीय स्थान।

3. व"र्ा 2018 'ाांति सद्भावना मंच नामक स्वयं सेवी संस्था द्वारा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आयोजित नाटक में प्रथम स्थान।
4. व"र्ा 2019 में जिला स्तरीय टी0एल0एम0 एवं विज्ञान प्रदर्शनी में तृतीय स्थान।
5. व"र्ा 2019 में प्रखंड स्तरीय टी0एल0एम0 एवं विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम स्थान।
6. व"र्ा 2022 में पावापुरी महोत्सव में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं की टीम को तृतीय स्थान।
7. व"र्ा 2022 में पावापुरी महोत्सव में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्रों की टीम को द्वितीय स्थान।
8. व"र्ा 2022 में स्वयं सेवी संस्था मअपकीलंसवा द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित ऑनलाईन प्रतियोगिता में विद्यालय के दो छात्रों की टीम को प्रथम स्थान।

दैनिक भास्कर

राष्ट्रीय नवाचार प्रतियोगिता में शिवम और नंदलाल को मिला प्रथम पुरस्कार

दौलाचक के शिवम व नंदलाल ने लहराया परचम

ग्रामसभा में 59 लाख की योजनाओं पर सहमति

उत्कमित मध्य विद्यालय दौलाचक, गिरियक के छात्रों ने ऑनलाइन प्रतियोगिता में लहराया परचम

दौलाचक के छात्रों ने ऑनलाइन प्रतियोगिता में लहराया परचम

9. व"र्ा 2023 में भी स्वयं सेवी संस्था मअपकीलंसवा द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित ऑनलाईन एवं ऑफलाईन प्रतियोगिता में विद्यालय के दो छात्राओं की टीम को ज्यूरी अवार्ड।

10. इस व"र्ा 2023 में आयोजित मकर मेला, राजगीर में अनुमंडल स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र को तृतीय स्थान।

11. इस व"र्ा 2023 में आयोजित मकर मेला, राजगीर में अनुमंडल स्तरीय वाद–विवाद प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र को द्वितीय स्थान।

12. व"र्ा 2019 से अब तक रा"टोय आय–सह–मेधा छात्रवृति परीक्षा में 06 छात्र–छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है।

13. प्रगति की ओर अग्रसर विद्यालय के बेहतर संचालन के लिए शिक्षक दिवस 2022 को प्रभारी प्रधानाध्यापक को जिला शिक्षा पदाधिकारी, नालंदा द्वारा शिक्षक सम्मान।

पावापुरी महोत्सव 2019

UMS
DAULACHAK
CFSS

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दौलाचक गिरियक

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दौलाचक, गिरियक
नालन्दा
02 अक्टूबर 2021

HAPPY
CHILDRENS
DAY
2020

ASHOKA PILLAR

BIHAR
DIWAS
U.M.S.
DAULACHAK

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दौलाचक गिरियक

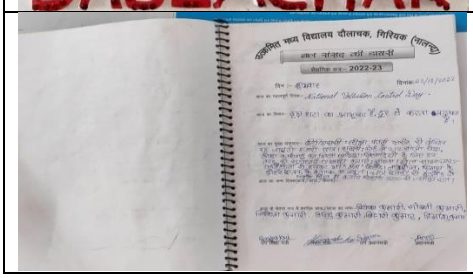

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दौलाचक
प्रखण्ड गिरियक (नालन्दा)
विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफल
विद्यार्थियों की सूची
क्र.सं. विद्यार्थी का नाम कक्षा सत्र प्रतियोगिता परीक्षा का नाम
01. पंकज कुमार VIII 2018-19 राष्ट्रीय आय एवं
02. मंथू कुमार VIII 2018-19 "
03. राजदेव कुमार VIII 2018-19 "
04. राजकिशोर कु. VIII 2018-19 "
05. सोनम कुमारी VIII 2020-21 "
06. कुमारी आरुषि VIII 2020-21 "

समता · सहभागिता · अनुशासन		

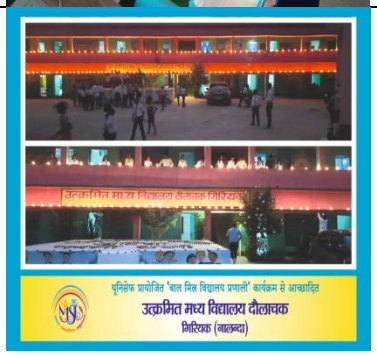

व''र्ा 2018 के अगस्त माह से प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर विद्यालय का कार्य भार संभालने से 'ारूआत हुए मेरे इस सफर में विद्यालय के अद्भुत छात्र–छात्राओं तथा समर्पित भाव से कार्यरत कुशल शिक्षक/शिक्षिकाओं की मेरी ड्रीम टीम ने अपने परिश्रम, लगन, उत्साह, स्व–अनुशासन, तथा नवाचारी सोच से नालन्दा जिले एक में अलग पहचान कायम की है। यह मेरे सफर की यह छोटी सी मंजिल है। यह सफर आसान भी नहीं रहा है परन्तु अपने बच्चों क असीम उत्साह, मासूम मुस्कुराहट, उनका आत्मविश्वास और उनकी नैसर्गिक प्रतिभा सदैव मेरे को आगे बढ़ने की क्षमता प्रदान करते हैं। मेरा सफर जारी है.... .....

शिशिर कुमार सिन्हा
प्रभारी प्रधानाध्यापक
उत्क्रमित मध्य विद्यालय
दौलाचक,गिरियक
नालंदा